

माइक्रोवेव ओवन में जीवाणु समुदाय

[स्रोत: नेचर](#)

हाल ही में माइक्रोवेव ओवन जैसे चरम ताप वाले वातावरण में पनपने वाले [सूक्ष्मजीवों](#) के विकासवादी अनुकूलन को समझने के लिये उन पर अध्ययन किया गया है।

मुख्य नषिकर्ष:

- ये **प्रमुख** जीवाणु [Lactobacillus](#), [Streptococcus](#) और [Bifidobacterium](#) से संबंधित थे, जो आम तौर पर **मानव त्वचा** एवं सतहों पर रहते हैं जिनमें लोग प्रायः छूते हैं।
- **क्लेब्सिएला (Klebsiella)** और **ब्रेवुंडिमोनस (Brevundimonas)** सहित [खाद्य जनित बीमारियों](#) से जुड़े बैक्टीरिया के कुछ प्रकार भी घरेलू माइक्रोवेव में विकसित हुए।
- **प्रयोगशाला** माइक्रोवेव ओवन में बैक्टीरिया की **सबसे बड़ी अनुवंशिक विविधता** (एक प्रजाति के भीतर **जीन** में भिन्नता) थी।
- माइक्रोवेव **हीटिंग** ऊष्मा उत्पन्न करने और भोजन में अधिकांश **सूक्ष्मजीवों को नषिकर्य करने के लिये वदियुत चुंबकीय तरंगों (300 मेगाहर्ट्ज़ से 300 गीगाहर्ट्ज़)** का उपयोग करता है।
- बैक्टीरिया:
 - **बैक्टीरिया सूक्ष्म जीव** हैं जिनमें केवल एक कोशिका होती है। ये **गोले, छड़ और सर्पिल** जैसे विभिन्न आकार के होते हैं। वे लाभप्रद या हानिकारक हो सकते हैं।
 - **अच्छे बैक्टीरिया:** शरीर में आँतों में पाई जाती हैं, जो भोजन को तोड़ने में मदद करते हैं तथा बफिडोबैक्टीरिया की तरह कब्ज़ व दस्त को रोकते हैं।
 - **बुरे बैक्टीरिया:** उनमें से कुछ [E. coli](#) द्वारा टाइफाइड बुखार जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं।
 - **एक्सट्रीमोफाइल्स** ऐसे जीव हैं जो सबसे **विषम वातावरण**, जसिमें झुलसाने वाले **जलतापीय छदिर/हाइड्रोथर्मल वेंट, सब-ज़ीरो अंटार्कटिक आइस** और भू-परपटी के परम दाब शामिल हैं, में भी **जीवति** रह सकते हैं और **पनप सकते हैं**।

और पढ़ें: [मेटाजीनोमिक्स](#)